दक्षिण पूर्व एशिया के देशों के साथ भारत के सम्बन्ध

*677. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री :**
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती :

क्या **वैदेशिक-कार्य** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों के साथ भारत के सम्बन्ध सुदृढ़ करने की दिशा में और कोई प्रगति हुई है ;

(ख) यदि हां, तो क्या राजनयिक सम्बन्धों के साथ साथ इन देशों के साथ सांस्कृतिक सम्बन्ध सुधारने का भी विचार है; और

(ग) इस दिशा में अब तक कितनी प्रगति हुई है ?

वैदेशिक-कार्य मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री दिनेश सिंह) : (क) से (ग). दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों के साथ हमारे सम्बन्ध निकट और मैत्रीपूर्ण रहे हैं । भारत सरकार इन सम्बन्धों को मजबूत करने को बड़ा महत्व देती है । सामान्य राजनयिक और व्यापार सम्बन्धों के अलावा एक-दूसरे देशों के नेता और प्रतिनिधि मण्डल एक-दूसरे देश में आए गए हैं । इन देशों से आने वाले विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा की सुविधाएं प्रदान करने और अपने व्यावसायिक कालेजों और सांस्कृतिक संस्थानों में प्रशिक्षण देने के लिए हम एक कार्यक्रम को चला रहे हैं । इन सब बातों से हमारे सम्बन्धों के मजबूत होने में सहायता मिली है ।

Committee on U.N. Finances

*678. **Shri Kishen Pattanayak:**
Shri Madhu Limaye:
Shri Yashpal Singh:

Will the Minister of **External Affairs** be pleased to state:

(a) whether any Committee has been formed at the U.N. to examine the problem of U.N. finances;

(b) whether India is a member of this Commitee; and

(c) the terms of reference of the Committee?

The Minister of External Affairs (Shri Swaran Singh): (a) and (b). Yes, Sir.

(c) The terms of reference of the Committee are set out in operative paragraphs 5 and 6 of the U.N. General Assembly Resolution No. A|RES|2049 (XX), a copy of which is laid on the Table of the House. [*Placed in Library. See* No. LT-5818/66].

Protest Note from Peking

*679. **Shri P. C. Borooah:**
Shri Ram Harkh Yadav:

Will the Minister of **External Affairs** be pleased to state:

(a) whether a strong protest note was received by the Indian Mission in Peking from the Chinese Government immediately after the message condoling the death of the late Prime Minister, Lal Bahadur Shastri, alleging ill-treatment of the Chinese in India;

(b) if so, what were the precise allegations; and

(c) Government's reaction thereto?

The Minister of External Affairs (Shri Swaran Singh): (a) Yes, Sir.

(b) In their note the Chinese Government alleged that the Indian Government has arrested "large numbers" of "innocent" Chinese nationals and thrown them into "a concentration camp" and jails. It ended with "demanding a "speedy and definite" reply to (1) the release of all Chinese nationals jailed, the return of their property and compensation, and (2) ending of "persecution" and guarantees for their safety and personal freedom.

(c) These Chinese allegations are not new and have been effectively refuted on several previous occasions